जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 14 संख्याः 257 प्रभात चूरू, रविवार 15 जनवरी, 2023 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

नेपाल में संरक्षणविदों ने रैड पांडा के संरक्षण के प्रयास के लिए नए मानदंड बनाए हैं, उन्हें उम्मीद है कि इससे देश के मध्य और पश्चिमी पहाड़ी भाग में रैड पांडा के आवास संरक्षित हो सकेंगे। यह रैड पांडा गवर्नैन्स स्टैंडर्ड ऑस्ट्रेलिया की दो युनिवर्सिटीज़ की मदद से विकसित किया गया है। रैड पांडा नैटवर्क में प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर, सोनम ताशी लामा ने बताया कि, इन मानदंडों से विभिन्न समुदायों को रैड पांडा संरक्षण में शामिल होने तथा प्राथमिकताओं को चिन्हित करने में मदद मिलेगी। रैड पांडा नैटवर्क एक एन.जी.ओ. है, जो ईस्टर्न नेपाल में इस प्रजाति के संरक्षण में लोगों की मदद कर रहा है। इस संगठन का कहना है कि, देश के पश्चिमी भाग में रैड पांडा का जो आवासीय क्षेत्र है वह कई छोटे-छोटे पैच में बिखरा हुआ है इससे रैड पांडा को स्वच्छंद विचरण में मुश्किल आती है और इससे उनकी आबादी पर भी प्रभाव पड़ता है। रैंड पांडा, भारत, नेपाल भूटान और चीन में मिलते हैं और अवैध ट्रैपिंग तथा शिकार से लेकर आवास विनाश जैसे भारी खतरों का सामना कर रहे हैं। आई.यू.सी.एन. (इंटरनैशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ द नेचर) ने इसे "एन्डेन्जर्ड" वर्ग में रखा है और विश्व में इसका व्यापार भी प्रतिबंधित है। अनुमान है कि, जंगल में 15,000 से कुछ कम ही रैड पांडा बचे हैं, इनमें से 500 नेपाल के पहाड़ों में बांस के जंगलों में रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया की युनिवर्सिटी ऑफ सदर्न क्वीन्सलैंड ने ग्रिफिथ युनिवर्सिटी, काठमांडू फॉरैस्ट्री कॉलेज, रैड पांडा नैटवर्क और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर रैड पांडा गवर्नैन्स स्टैन्डर्ड विकसित किए। ये दो सिद्धांतों पर आधारित हैं, सार्थक सहभागिता और लाभदायक विचार विमर्श। नेपाल के वन एवं पर्यावरण सचिव, प्रेम नारायण कांदल ने कहा है, "हमें उम्मीद है कि, नए गवर्नैन्स स्टैन्डर्ड से रैड पांडा के संरक्षण में मदद मिलेगी"।

जालंधर से कांग्रेस सांसद की भारत जोड़ो यात्रा में भाग लेते समय हार्ट अटैक से मृत्यु

दिवंगत संतोख सिंह चौधरी यात्रा के बारे में बहुत उत्साहित थे, क्योंकि यात्रा उनके क्षेत्र से गुजर रही थी

- राहुल गांधी के साथ कदम के कदम मिलाकर चलते समय उन्हें हार्ट अटैक आया।
- हादसे के बाद उन्हें फगवाड़ा अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित किया गया।
- राहुल यात्रा को बीच में छोड़ कर अस्पताल गये और फिर दिवंगत सांसद के जालंधर में धालीवाल स्थित निवास पर भी गये, परिवार से मिलने।
- जैसा कि विदित ही है, लोहड़ी के त्यौहार के कारण यात्रा में एक दिन का अवकाश था, यात्रा शनिवार को सुबह दोबारा शुरू हुई थी।
- पंजाब के प्रदेशाध्यक्ष अमरिन्दर सिंह राजा वारिंग ने बताया कि, यात्रा फिलहाल स्थगित कर दी गयी है तथा रविवार को दिवंगत सांसद का दाह संस्कार होगा।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो यात्रा के पंजाब चरण में एक हादसा हो गया। यात्रा में भाग ले रहे पार्टी सांसद संतोख सिंह चौधरी को हार्ट अटैक आया और उनकी मौत हो गई।

76 वर्षीय संतोख सिंह चौधरी जलंधर से कांग्रेस सांसद थे। वह कांग्रेस की पद यात्रा में पंजाब के फिल्लौर में राहुल गांधी के साथ पैदल चल रहे थे, लेकिन इसी दौरान वह बेहोश होकर गिर गए। पार्टी के इस सीनियर नेता को फगवाड़ा में एक अस्पताल ले जाया गया जहां बताया गया कि उनकी मौत अस्पताल पहुंचने से पहले ही हो गई थी।

पार्टी के एक नेता ने बताया कि राहुल गांधी पद यात्रा को बीच में ही छोड़कर उस अस्पताल के लिए रवाना हो गए, जहां चौधरी को ले जाया गया था। वह जलंधर के धालीवाल स्थित चौधरी के घर भी गए और उनके परिजनों से मिले। लोहड़ी उत्सव को देखते हुए यात्रा को शुक्रवार को ब्रेक दिया गया था। यात्रा आज सुबह पुनः शुरू हुई लेकिन यह हादसा हो गया।

पंजाब के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिन्दर सिंह वड़िंग ने बताया कि यात्रा को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि चौधरी का अंतिम संस्कार कल सुबह किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यात्रा को लेकर चौधरी काफी उत्साहित थे क्योंकि यह उनके प्रभाव वाले क्षेत्र से गुजर रही थी।

चौधरी के निधन की खबर जैसे ही सामने आई, शोक संवेदनाएं देने वालों का तांता लग गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चौधरी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि "उन्हें पंजाब के लोगों की सेवा करने के लिए जाना जाएगा।"

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया "सांसद श्री संतोख सिंह चौधरी जी के निधन से व्यथित हूँ। उन्हें पंजाब के लोगों की सेवा करने के अपने प्रयासों के लिए जाना जाएगा। उनके परिजनों और समर्थकों के लिए शोक संवेदनाएं। ओम शांति।" कांग्रेस अध्यक्ष मलिल्कार्जुन खड़गे ने कहा कि चौधरी का निधन पार्टी और संगठन के लिए एक बड़ा झटका है। खड़गे ने ट्वीट किया "हमारे सांसद श्री संतोख सिंह चौधरी के असामयिक निधन का समाचार मिलने से बेहद दुःखी और स्तब्ध हूँ। उनका जाना पार्टी और संगठन के लिए बड़ा झटका है। दुःख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, मित्र और समर्थकों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस काफी ललचायी नजरों से देख रही है येदियुरप्पा व भाजपा के बिगड़ते रिश्तों को!

येदियुरप्पा को, उनके निकटतस्थ समर्थकों के अनुसार, प्रदेश के भाजपा नेतृत्व से शिकायत है कि, वे लोग उनकी (येदियुरप्पा की) लगातार अवहेलना कर रहे हैं

- हाल ही में बैंगलुरू में आयोजित नैशनल यूथ फैस्टिवल, जिसका उद्घाटन प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था, में भी येदियुरप्पा को आमंत्रित नहीं किया गया था तथा इसके पहले भाजपा की कर्नाटक इकाई ने दो-तीन अन्य महत्वपूर्ण आयोजनों में येदियुरप्पा को नहीं बुलाया था।
- भाजपा को कर्नाटक में स्थापित करने में येदियुरप्पा की निर्णायक भूमिका थी तथा वैसे भी राजनीतिक दृष्टि से "पावरफुल" लिंगायत समाज पर येदियुरप्पा की मजबूत पकड़ है।
- अतः येदियुरप्पा को चुका हुआ कारतूस मान लेना भाजपा की भारी भूल साबित हो सकती है।
- कांग्रेस यह प्रार्थना कर रही है कि, भाजपा यह भूल जरूर करे।

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। कर्नाटक के आगामी विधानसभा चुनावों से पूर्व एक एकीकृत चेहरा बनने का भरसक प्रयत्न कर रही कांग्रेस एक खुशनुमा पूर्वानुमान के साथ भाजपा के भीतर के घटनाक्रमों पर नज़र रखे हुए हैं। कांग्रेस नेताओं को जो घटनाक्रम उत्साहित कर रहा है, वह है पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के मजबूत नेता बी.एस. येदियुरप्पा की उनकी ही पार्टी में उपेक्षा किया जाना। कांग्रेस बी.एस. येदियुरप्पा के महत्व से परिचित है और वह भाजपा के घटनाक्रमों पर बारीकी से नज़र रखे हुए हैं और मीडिया के एक वर्ग की इन खबरों को लेकर खुश है कि राजनीतिक महत्व के लिंगायत वोट बैंक पर जबर्दस्त प्रभाव रखने वाले भाजपा के मजबूत नेता येदियुरप्पा अपनी ही पार्टी में साइड लाइन किए जाने से नाराज़ हैं।

येदियुरप्पा ऐसी खबरों और अटकलों का स्वयं खंडन करते आए हैं, लेकिन उनके करीबी लोगों के हवाले से आई मीडिया खबरों में बताया गया है कि वह भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और खासतौर पर कर्नाटक के स्थानीय पार्टी नेतृत्व द्वारा अनदेखी किए जाने से स्वयं को अपमानित महसूस कर रहे हैं।

भाजपा और कर्नाटक सरकार के सूत्रों ने हालांकि स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री द्वारा गुरूवार को उद्घाटित नैशनल यूथ फैस्टिवल में येदियुरप्पा को इसलिए आमंत्रित नहीं किया गया कि, क्योंकि यह सरकारी कार्यक्रम था, लेकिन येदियुरप्पा के करीबी लोग इस तर्क से खुश नहीं हैं क्योंकि पूर्व में आयोजित दो या तीन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भी उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया था।

एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री येदियुरप्पा के कारण ही राज्य में पार्टी का जनाधार बढ़ा था क्योंकि राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लिंगायत समुदाय पर उनका प्रभाव जबर्दस्त है। वह हल्के में लिए जाने वाले व्यक्ति नहीं हैं, लेकिन यदि भाजपा का स्थानीय नेतृत्व यह सोचता है कि वह पूर्व मुख्यमंत्री के बिना ही राज्य में पार्टी की नैया पार लगा सकता है तो वह अपने आकलन में गलत हो सकता है।

विश्लेषक ने कहा कि कांग्रेस दुआ कर रही होगी और इसी उम्मीद के सहारे होगी कि येदियुरप्पा भाजपा से इतने नाराज हो जाएं कि वे चुनाव में उसकी सहायता ही ना करें, लेकिन उन्होंने यह भी महसूस किया कि पार्टी के भीतर चाहे कितनी भी भावनाएं भड़कायीं जा रही हों, पूर्व मुख्यमंत्री एवं कर्नाटक में भाजपा का यह दिग्गज नेता अपनी पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए भी काम करेगा।

येदियुरप्पा पहले भी भाजपा छोड़ चुके हैं। उन्होंने अपनी खुद की पार्टी का गठन कर चुनावों में भाजपा की हार सुनिश्चित की थी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने केन्द्र में सत्ता में आने के बाद येदियुरप्पा को पार्टी में वापस लेने के लिए भाजपा को राजी किया था।

आधार कार्ड से छेड़छाड़ के आरोप में दो कॉन्स्टेबल गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान पुलिस सेवा में 2021 के चयनित दो कांस्टेबिल्स के मूल प्रमाण पत्र मैडिकल टैस्ट के दौरान फर्जी पाए गए। मथुरादास माथुर अस्पताल के डॉक्टर को शक होने पर मूल कागजों की जांच की गई।

- आरोप है कि, सन् 2021 में राजस्थान पुलिस सेवा में चयनित दो कॉन्स्टेबलों ने मैडिकली अनफिट करार दिए जाने पर आधार कार्ड से छेड़छाड़ कर फर्जी तरीके से सोनोग्राफी टैस्ट कराने का प्रयास किया था।

डीसीपी मुख्यालय को इस बारे में जानकारी दी गई। अब शास्त्रीनगर थाने में इन चयनित कांस्टेबलों के खिलाफ धोखाधड़ी में प्रकरण दर्ज किया गया है। दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ चल रही है। थानाधिकारी जोगेंद्र सिंह ने बताया कि श्रीमाधोपुर के भोजमेड के रहने वाला तेजाराम और भरतपुर के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तमिलनाडू के मु.मंत्री व राज्यपाल का "झगड़ा" अब दिल्ली पहुंचा

डी.एम.के. ने एक प्रतिनिधि मण्डल राष्ट्रपति के पास भेजा तथा मांग की कि, राज्यपाल को निर्देशित किया जाये कि, वे संवैधानिक मर्यादा में रहें

- डी.एम.के. का यह भी आरोप है कि, राज्यपाल कई महत्वपूर्ण विधेयकों, जो विधानसभा द्वारा पारित हो चुके हैं, को हस्ताक्षरित करने में भारी विलम्ब कर रहे हैं।
- दूसरी ओर राज्यपाल ने भी दिल्ली जाकर राष्ट्रपति व प्र.मंत्री से मुलाकात करने का प्रयास किया है, अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिये।
- राज्यपाल के समर्थक यह प्रचारित कर रहे हैं कि, डी.एम.के. सरकार भारी भ्रष्टाचार में लिप्त है तथा राज्यपाल इस भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का प्रयास कर रहे हैं, अतः डी.एम.के. सरकार ने राज्यपाल के खिलाफ प्रचार की मुहिम छेड़ रखी है।

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 जनवरी। तमिलनाडु में दो संवैधानिक सत्ताओं मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार तथा राज्यपाल आर.एन.रवि के बीच की लड़ाई हर क्षण बढ़ती ही जा रही है तथा दोनों पक्षों में से कोई भी, राज्य के समग्रहित में इस मुद्दे के समाधान के मूड़ में दिखाई नहीं दे रहा है।

शुक्रवार को जब द्रमुक (डी.एम.के.) के मित्रदल तथा उनके कार्यकर्ता चेन्नई की सड़कों पर उतर आये तथा उन्होंने राज्यपाल को हटाये जाने की माँग की, उसी दिन राज्यपाल खुद दिल्ली गए हुए थे राष्ट्रपति से मिलने और वहां उन्होंने प्रधानमंत्री से भी मिलने का समय मांगा।

राज्यपाल के दिल्ली जाने से एक दिन पहले, द्रमुक ने राष्ट्रपति के पास एक प्रतिनिधिमंडल भेज दिया था, जिसमें राष्ट्रपति को दिये ज्ञापन में राज्य विधानसभा की गतिविधियों की सूची तथा राज्यपाल के तौर तरीकों का विवरण दिया हुआ था। ज्ञापन में यह भी कहा गया था कि राज्यपाल राज्य विधानसभा द्वारा पारित कई महत्वपूर्ण विधेयकों को दबा कर बैठे हुये हैं।

इस ज्ञापन के माध्यम से, मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति से अनुरोध किया है कि वे राज्यपाल को संवैधानिक भानको तथा प्रयासों के अनुसार काम करने तथा निर्वाचित सरकार को सहयोग करने की सलाह दे। इस बीच, भाजपा ने राज्यपाल की कार्यवाहियों को सही ठहराया है तथा कहा है कि दर असल, राज्यपाल सरकार के भ्रष्टाचार को रोक रहे थे तथा यही कारण था कि सरकार राज्यपाल से टकराव बहाने तलाश कर रही है। भाजपा प्रवक्ता नारायण तिरूपति ने एक टी.वी. चैनल को बताया कि राज्यपाल रवि की कार्यवाहियाँ सरकार द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार को रोकने की दिशा में बढ़ रही थी। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार जो भी कहती है राज्यपाल को उसे समझना भी पड़ता है, इस संदर्भ में उन्होंने राज्य विधानसभा के घटनाक्रम का भी जिक्र किया, जिसके फलस्वरूप, राज्यपाल खीजकर सदन के बाहर चले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'18 जनवरी तक अपहृत बालक को बरामद करो'

जयपुर, 14 जनवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अलवर के खैरथल थाना इलाके से अपहृत हुए बच्चे को छह माह में भी बरामद नहीं

- राजस्थान हाई कोर्ट ने 6 माह तक बालक की बरामदगी नहीं होने पर नाराजगी जताई और कहा, 18 जनवरी तक बालक को कोर्ट में पेश करो वरना एस.पी. और एडीशनल एस.पी. अदालत में पेश हों।

करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने कहा है कि पीडित बच्चे को 18 जनवरी तक अदालत में पेश किया जाए। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने भिवाडी एसपी, महिला अपराध

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'फिज़िकली हैण्डीकैप्ड वर्ग का आरक्षण क्षैतिज आरक्षण है जातिगत आरक्षण नहीं'

राजस्थान हाई कोर्ट ने यह कहते हुए दिव्यांग अभ्यर्थी को सहायक प्रोफेसर पद पर समस्त नोशनल परिलाभ सहित नियुक्ति देने के आदेश दिए

- हाई कोर्ट ने कहा, फिज़िकली हैण्डीकैप्ड वर्ग में आरक्षण पाने के लिए राज्य का मूल निवासी होना जरूरी नहीं है।
- याचिका कर्ता मनीष चौहान ने राजस्थान लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास कर ली थी, आयोग ने उसे इंटरव्यू में भी बुलाया, पर राज्य के बाहर का निवासी बताकर फिज़िकली हैण्डीकैप्ड वर्ग में आरक्षण देने से मना कर दिया और नौकरी नहीं दी।
- याचिका कर्ता मनीष चौहान की तरफ से अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने पैरवी की थी।

जोधपुर, 14 जनवरी (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने फिज़िकली हैण्डीकैप्ड (विशेष योग्यजन दिव्यांग) अभ्यर्थी को सहायक प्रोफ़ेसर पद पर समस्त नोशनल परिलाभ सहित नियुक्ति देने के दिए आदेश जारी किए हैं। राजस्थान का मूल निवासी नहीं होने के आधार पर सहायक आचार्य (गणित) पद पर विशेष योग्यजन वर्ग में नियुक्ति नहीं दिए जाने पर हाईकोर्ट ने निर्धारित किया कि फिज़िकली हैण्डीकैप्ड (पी.एच.) वर्ग का आरक्षण क्षैतिज आरक्षण हैं। यह जातिगत आरक्षण नहीं है। इसके लिए राज्य का मूल निवासी होना आवश्यक नहीं है। याचिकाकर्ता, मनीष चौहान की ओर से अधिवक्ता यशपाल ख़िलेरी ने पैरवी की।

अधिवक्ता ख़िलेरी ने रिट याचिका पेश कर बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर ने कॉलेज शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य के पदों के लिए विज्ञिप्त जारी कर योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए। गणित विषय में कुल 34 पद विज्ञापित किए, जिसमे एक पद हियरिंग इम्पैर्ड वर्ग के फिज़िकली हैण्डीकैप्ड के लिए आरक्षित किया। याचिकाकर्ता (याची) ने एम. एससी. (गणित), पीएचडी, जेआरएफ, स्लेट परीक्षा पास करने की योग्यता रखते हुए अपना आवेदन फिज़िकली हैण्डीकैप्ड वर्ग में किया, आयोग द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा में कुल 48.47 अंक हासिल किए और पास घोषित किया गया। उसके बाद आयोग ने याचिकाकर्ता को साक्षात्कार के लिए बुलाया।

दस्तावेज़ों के सत्यापन पश्चात् याचिकाकर्ता को अंतिम रुप से चयनित करते हुए आयोग ने कॉलेज शिक्षा विभाग को उसका नाम नियुक्ति के लिए भेजा। तत्पश्चात् आयुक्तालय, कॉलेज शिक्षा विभाग, जयपुर द्वारा उसे काउंसलिंग के लिए बुलाया गया। याचिकाकर्ता ने समस्त मूल दस्तावेज़ जमा करवा दिए लेकिन याचिकाकर्ता को नियुक्ति देने से यह कहते हुए मना कर दिया गया कि वह उत्तर प्रदेश का मूल निवासी है और उसे फिज़िकली हैण्डीकैप्ड वर्ग में नियुक्ति नहीं दी जा सकती है। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में इसको चुनौती दी।

याचिकाकर्ता की ओर से बताया गया कि, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016, और राजस्थान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ड्रग्स तस्करी केस में राजस्थान हाई कोर्ट का ए.डी.जे. से जवाब तलब

जयपुर, 14 जनवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने नसीराबाद के ए.डी.जे. कोर्ट से पूछा है कि मादक

- राजस्थान हाई कोर्ट ने नसीराबाद ए.डी.जे. से मादक पदार्थ तस्करी मामले में धीमी सुनवाई पर जवाब मांगा और पूछा कि, 11 फरवरी 2020 को केस दर्ज हुआ था और अब तक, बाईस में से तीन गवाहों के ही बयान क्यों हुए हैं?

पदार्थ तस्करी के मामले में कछुआ चाल से ट्रायल क्यों की जा रही है? अदालत ने कहा कि प्रकरण 11 फरवरी, 2020

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)